बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

किसान और बीज

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: M. Maillot; Lazarus
रूपान्तरकार: E. Frischbutter; Sarah S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
Alastair Paterson
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2020 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

एक दिन यीशु झील के किनारे उपदेश दे रहा था। बहुत से लोग उसे सुनने के लिए वहां एकत्रित थे। भीड़ बहुत बढ़ती गयी।

अब यीशु क्या करता?

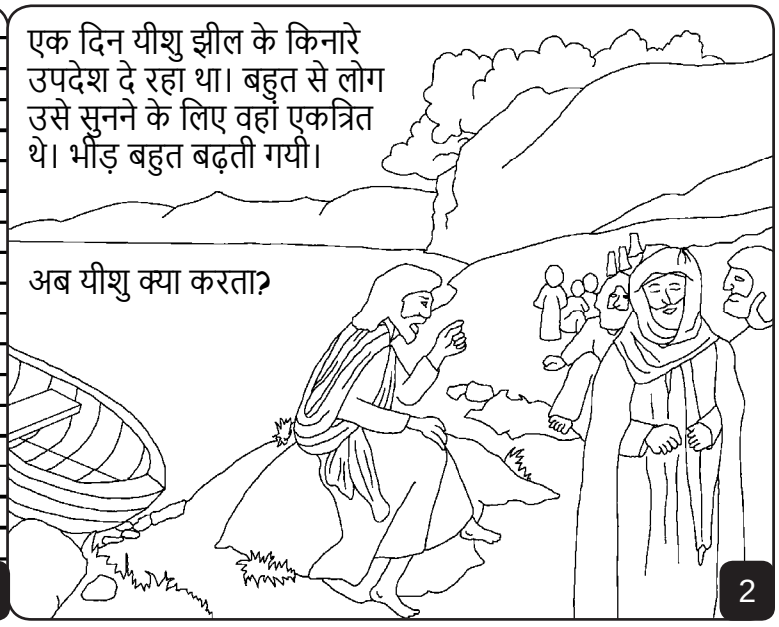

पास ही में एक नाव को देखकर, यीशु नाव पर चढ़ गया। अब यीशु लोगों को देख सकता था और वे उसे देख और सुन सकते थे।

3

यीशु दृष्टान्तों को बताना शुरू किया - साधारण चीजों के बारे में कहानियां बतायीं, जो लोगों को परमेश्वर के बारे में सिखाती थी।

4

"एक किसान अपने खेत में बीजों को बिखेरा।" यीशु की ये कहानियाँ चित्र के बजाय वचन रूपी तस्वीर की तरह थी।

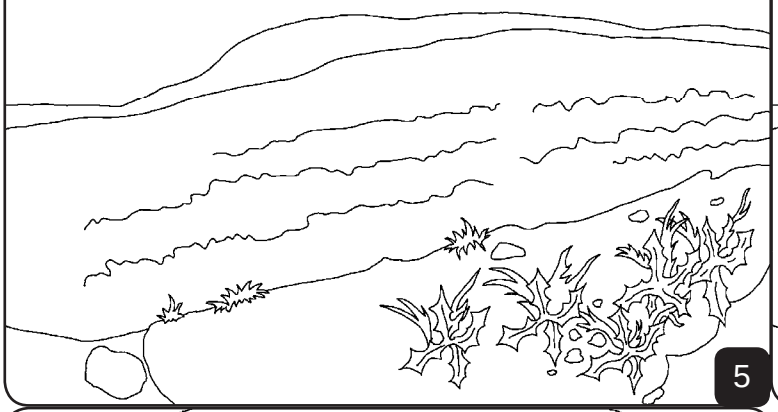

5

लोग किसान के काम करने की तस्वीर की कल्पना कर सकते थे - वे इसे कई बार देख चुके थे।

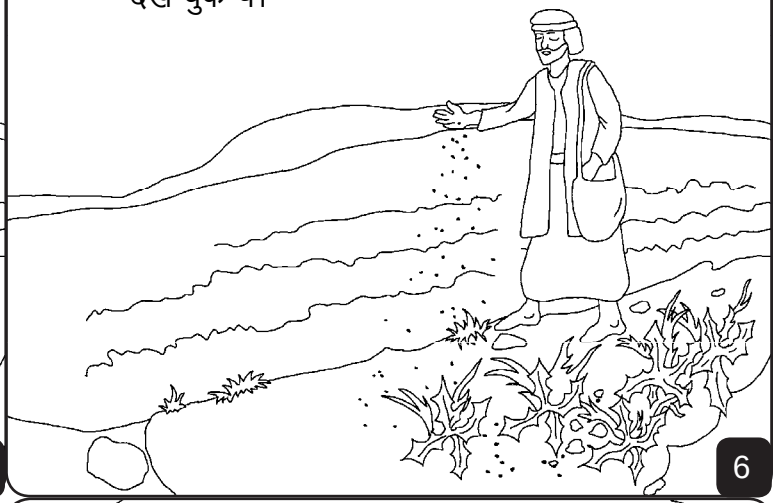

6

कुछ बिखरे बीज रास्ते के किनारे गिरे। उफ़! पक्षियां उड़ते हुवे जल्दी से नीचे उतरीं और उन्हें चुग लिया।

7

कुछ बीज पथरीली भूमि पर गिरे। वे शीघ्र ही पतले नन्हे पौधे बन गये। पर सूरज की धूप उन्हें जल्द ही सुखा दिया क्योंकि उनकी जड़े अच्छी मिट्टी में नहीं थी।

8

अन्य बीज कांटों के बीच उगे। वे भी फलदायी नहीं हुए। काँटों ने उन नन्हे पौधों को चारों ओर से जकड़ लिया और उन्हें जरूरत की धूप और बारिश से वंचित रखा।

9

अब बाकी बचे बीज अच्छी भूमि पर गिरे। समय गुजरने पर मरता अनाज एक स्वस्थ पौधा बन गया। किसान बहुत खुश हुआ होगा।

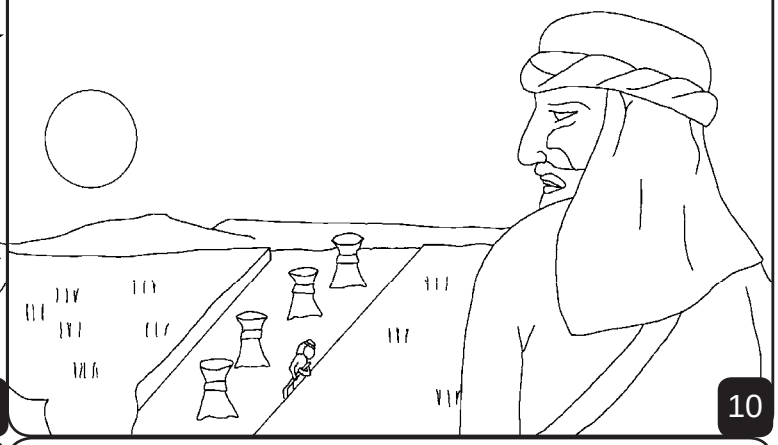

10

कहानी के अंत में, चेले यीशु के पास आये। उन्होंने पुछा, "तुम दृष्टान्तों में क्यों सिखाते हो?"

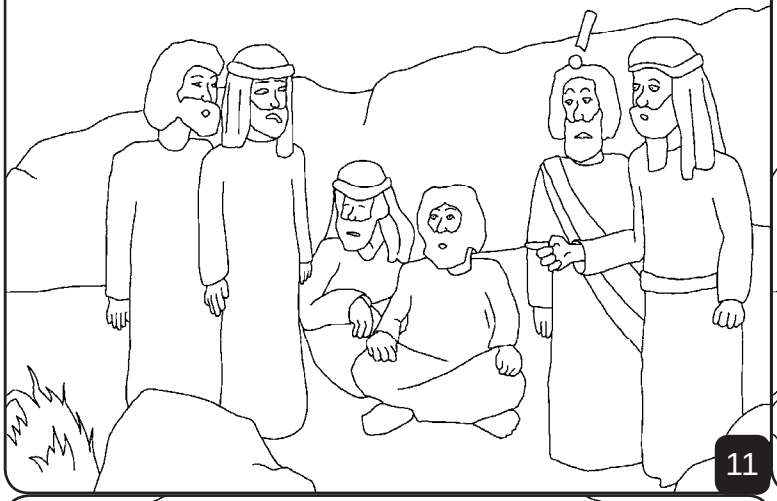

11

यीशु ने कहा जो लोग परमेश्वर से सच में प्यार करते है उनको वास्तव में ये दृष्टान्त परमेश्वर के बारे में अधिक समझने के लिए मदद करता है। पर जो परमेश्वर को प्यार नहीं करते वे दृष्टान्तों को नहीं समझ सकते।

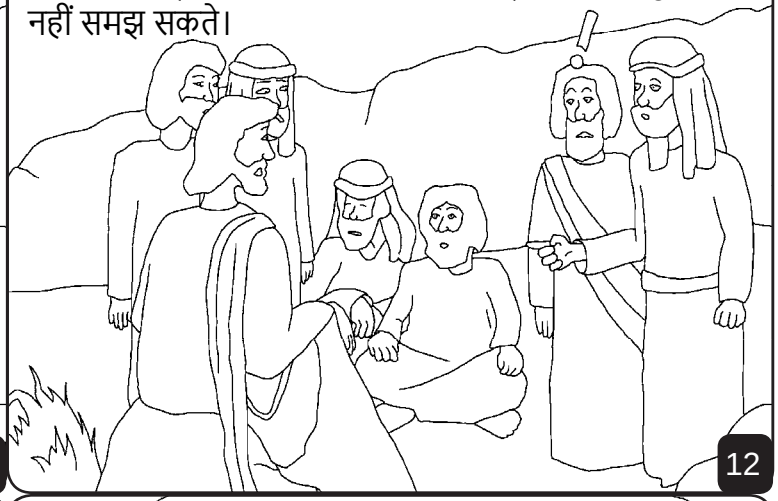

12

यीशु ने दृष्टान्त को समझाया। उन्होंने कहा कि बीज परमेश्वर के वचन है। पगडंडी पर गिरे बीज उनके सामान है जो सुनते हुए भी परमेश्वर के वचनों को समझ नहीं सकते। परमेश्वर ने जो कुछ बताया है उसे शैतान भुला देता है।

13

कुछ लोग जल्दी से परमेश्वर के वचन को ग्रहण करते हैं। वे पथरीले भूमि पर गिरे बीज की तरह हैं। लेकिन जैसे ही कोई उनका मजाक उड़ता या परमेश्वर से प्यार करने के कारण उनके लिए कठिनाई पैदा करता है, तब ऐसी एक दुखद बात घटित होती है।

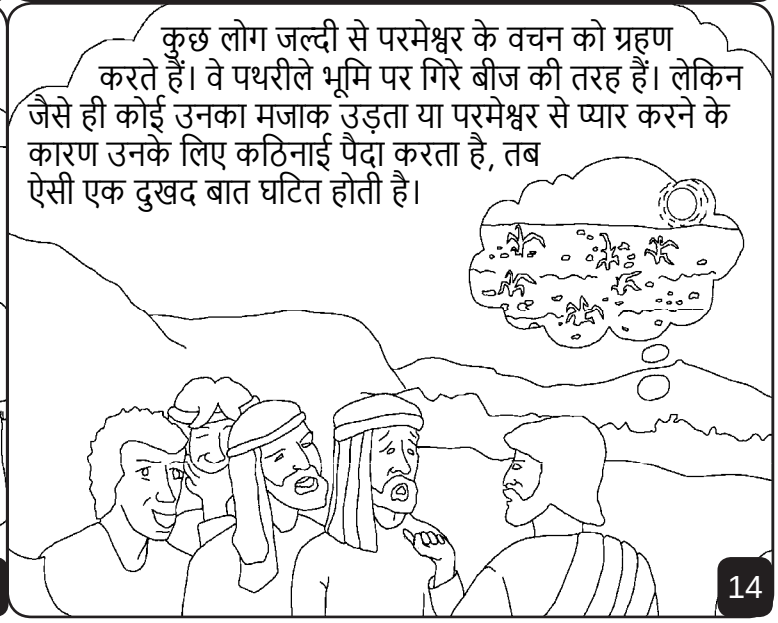

14

ये वही लोग हैं जो शुरू में आनन्द से यीशु का अनुसरण करतें है पर वे अब परमेश्वर के वचनों का पालन करना छोड़ देतें है। वे परमेश्वर के अनुसरण की कीमत चुकाना नहीं चाहते हैं। कितने दुख की बात है कि वे परमेश्वर को खुश करने के वजाय अपने मित्रों को खुश करते है।

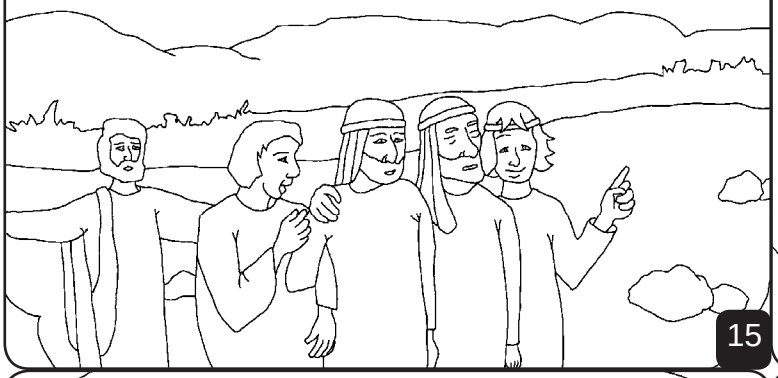

15

दृष्टान्त में कांटों का मतलब सांसारिक चिंताओं और पैसे के लोभ की तरह हैं जो कुछ लोगों के जीवन को जकड़ कर रखता है। वे अपने जीवन में अधिक पैसे और अन्य चीजों को पाने के लिए इतने व्यस्त हो जातें हैं की परमेश्वर को अपने जीवन से अलग कर लेते है।

16

लेकिन अच्छी भूमि पर गिरे बीज जो ढेर सारे फल लाए वे परमेश्वर के वचनों के समान है जो दिलों में प्रवेश कर लोगों के जीवन को बदलते है। ये लोग परमेश्वर का आदर और सेवा करते हैं।

17

भीड़ वहाँ से जाना नहीं चाहती थी। बहुतेरे परमेश्वर का अनुसरण करना और उसे खुश करना चाहते थे। यीशु के दृष्टान्त उन्हें परमेश्वर को समझने और उनका आज्ञा पालन में मदद की।

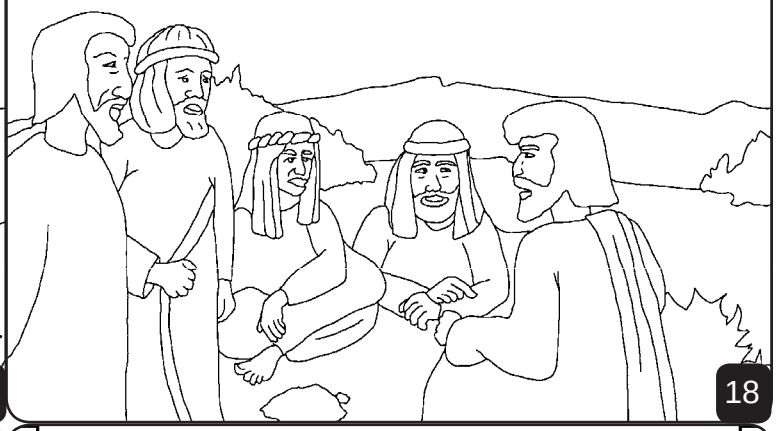

18

किसान और बीज

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 13

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

19

समाप्त

20

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्‌भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते हैं और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर
सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16